

Nakshalbari College

Dept.of Hindi

फीचर लेखन

- अर्थ
- फीचर के प्रकार
- फीचर की विशेषताएं
- फीचर लेखन की प्रक्रिया
- फीचर योजना
- निष्कर्ष

अर्थ

- फीचर को अंग्रेजी शब्द फीचर के पर्याय के तौर पर फीचर कहा जाता है। हिन्दी में फीचर के लिये रूपक शब्द का प्रयोग किया जाता है लेकिन फीचर के लिये हिन्दी में प्रायः फीचर शब्द का ही प्रयोग होता है। फीचर का सामान्य अर्थ होता है – किसी प्रकरण संबंधी विषय पर प्रकाशित आलेख है। लेकिन यह लेख संपादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित होने वाले विवेचनात्मक लेखों की तरह समीक्षात्मक लेख नहीं होता है।
- फीचर समाचार पत्रों में प्रकाशित होने वाली किसी विशेष घटना, व्यक्ति, जीव – जन्तु, तीज – त्योहार, दिन, स्थान, प्रकृति – परिवेश से संबंधित व्यक्तिगत अनुभूतियों पर आधारित वह विशिष्ट आलेख होता है जो कल्पनाशीलता और सृजनात्मक कौशल के साथ मनोरंजक और आकर्षक शैली में प्रस्तुत किया जाता है। अर्थात् फीचर किसी रोचक विषय पर मनोरंजक ढंग से लिखा गया विशिष्ट आलेख होता है।

फीचर के प्रकार

- व्यक्तिपरक फीचर
- सूचनात्मक फीचर
- विवरणात्मक फीचर
- विश्लेषणात्मक फीचर
- साक्षात्कार फीचर
- इनडेप्ट फीचर
- विज्ञापन फीचर
- अन्य फीचर

फीचर की विशेषतायें

- किसी घटना की सत्यता या तथ्यता फीचर का मुख्य तत्व होता है। एक अच्छे फीचर को किसी सत्यता या तथ्यता पर आधारित होना चाहिये।
- फीचर का विषय समसामयिक होना चाहिये।
- फीचर का विषय रोचक होना चाहिये या फीचर को किसी घटना के दिलचस्प पहलुओं पर आधारित होना चाहिये।
- फीचर को शुरू से लेकर अंत तक मनोरंजक शैली में लिखा जाना चाहिये।
- फीचर को ज्ञानवर्धक, उत्तेजक और परिवर्तनसूचक होना चाहिये।
- फीचर को किसी विषय से संबंधित लेखक की निजी अनुभवों की अभिव्यक्ति होनी चाहिये।
- फीचर लेखक किसी घटना की सत्यता या तथ्यता को अपनी कल्पना का पुट देकर फीचर में तब्दील करता है।
- फीचर को सीधा सपाट न होकर चित्रात्मक होना चाहिये।
- फीचर की भाषा सरल, सहज और स्पष्ट होने के साथ – साथ कलात्मक और बिंबात्मक होनी चाहिये।

फीचर लेखन की प्रक्रिया

- विषय का चयन
- सामग्री का संकलन
- फीचर योजना

फीचर लेखन की संरचना

- विषय प्रतिपादन या भूमिका
- विषय वस्तु की व्याख्या
- निष्कर्ष

फीचर संरचना से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण पहलू

- शीर्षक
- किसी रचना का यह एक जरूरी हिस्सा होता है और यह उसकी मूल संवेदना या उसके मूल विषय का बोध कराता है। फीचर का शीर्षक मनोरंजक और कलात्मक होना चाहिये जिससे वह पाठकों में रोचकता उत्पन्न कर सके।
- छायाचित्र
- छायाचित्र होने से फीचर की प्रस्तुति कलात्मक हो जाती है जिसका पाठक पर अनुकूल प्रभाव पड़ता है। विषय से संबंधित छायाचित्र देने से विषय और भी मुखर हो उठता है। साथ ही छायाचित्र ऐसा होना चाहिये जो फीचर के विषय को मुखरित करे फीचर को कलात्मक और रोचक बनाये तथा पाठक के भीतर विषय की प्रस्तुति के प्रति विश्वसनीयता बनाये।

धन्यवाद ।

Natraj Gupta

Assistant professor

Dept.of Hindi

Nakshalbari College

This Power Point Presentation is solely for the purpose of classroom teaching and the content has been taken from books and Internet open access sources.